हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (JICA वित्तपोषित)

संवाद पत्र

अंक 19: नवंबर 2026





सीएम सुखविंद्र सुक्खू ने थपथपाई जाइका स्वयं सहायता समूहों की पीठ



वन है तो हम हैं...

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, बर्फ से ढके पर्वतों, निर्मल नदियों और घने वनों के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। राज्य के लगभग दो–तिहाई भू–भाग पर वन फैले हुए हैं, जो यहां की जैव विविधता, जल स्रोतों और पर्यावरणीय संतुलन की रक्षा करते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है वन हैं तो हम हैं।

वन केवल पेड़–पौधों का समूह नहीं हैं, बल्कि लाखों लोगों की आजीविका, स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और वन्यजीवों का सुरक्षित आश्रय भी हैं। हिमाचल के देवदार, कैल, चीड़, बांज और तुन जैसे वृक्ष न केवल प्राकृतिक सौंदर्य बढ़ाते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज बढ़ती जनसंख्या, जंगलों में आग, अवैध कटान और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के कारण वनों का संरक्षण पहले से अधिक आवश्यक हो गया है। पौधरोपण, प्राकृतिक वनों का संरक्षण, जनभागीदारी और पर्यावरण के प्रति जागरूकता ही हिमाचल के हरित भविष्य की कुंजी हैं।

हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने वित्त वर्ष 2026–27 में 7 से 8 हजार हेक्टेयर भूमि पर 50 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 4 हजार हैक्टेयर भूमि पर राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत पौधे रोपे जाएंगे। राज्य के विभिन्न जिलों की भौगोलिक परिस्थितियों एवं संतुलित जलवायु के मुताबिक चिनार और अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे। विभाग और जाइका वानिकी परियोजना ने वर्ष 2030 तक मिशन–32 यानी राज्य के हरित आवरण को 32 प्रतिशत तक बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया है।

राज्य के सभी वन मंडल स्तर पर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना और राजीव गांधी ग्रीन एडॉप्शन योजना पर बेहतरीन कार्य किए हैं।

मुझे यह बताते हुए हर्श हो रहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिमला में चिनार का पौधा रोपकर पौधरोपण अभियान का आगाज किया था। उसके बाद 25 जून को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह सिंधवालिया ने पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। जाइका वानिकी परियोजना ने 2018 से लेकर 2025 तक 8343 हेक्टेयर भूमि पर भिन्न–भिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर राज्य के 22 वन मंडलों में हरित क्रांति लोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हर वर्श की भांति इस बार भी वानिकी परियोजना मिशन–32 के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता और विभागीय स्तर पर पौधे रोपने के लिए कार्य करेगी। मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना के तहत परियोजना ने पिछले साल 124 हेक्टेयर भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपने में सफलता हासिल की।

आइए, हम सभी यह संकल्प लें कि प्रत्येक वर्ष अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे, वनों को आग और प्रदूषण से बचाएंगे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हिमाचल की इस अमूल्य प्रा तिक धरोहर को सुरक्षित रखेंगे। क्योंकि वन सुरक्षित रहेंगे, तभी जीवन, पर्यावरण और हिमाचल का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

डा. संजय सूद (भा.व.से.)
वन बल प्रमुख एवं मुख्य परियोजना निदेशक

विश्व पर्यावरण दिवसः

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किया चिनार पौधरोपण प्रथम चरण का आगाज



आरपी नेगी
मीडिया स्पेशलिस्ट







विश्व पर्यावरण दिवस – 2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने सरकारी आवास ओकओवर में चिनार पौधरोपण के प्रथम चरण का शुभारंभ किया।

हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने ओकओवर में चिनार के पौधे रोपकर हिमाचल में हरित क्रांति को बरकार रखने का संदेश दिया। उन्होंने स्कूली बच्चों को भी चिनार के पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखने का संकल्प लिया।

इससे पूर्व वन बल प्रमुख डा. सजय सूद ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता भेंट कर भव्य स्वगत किया।

विभाग और परियोजनाओं की 4 पुस्तकों का किया विमोचन







इस अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वन विभाग की चार पुस्तकों का विमोचन किया। अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारियों के लिए क्षेत्र पुस्तिका वन बोध, वन बल प्रमुख डा. संजय सूद द्वारा लिखित Environmental Management and Regulations, जाइका, केएफडब्ल्यू और आईडीपी परियोजनाओं द्वारा किए जा रहे बेहतरीन कार्यों पर आधारित पुस्तक वानिकी परियोजनाएं : वन संरक्षण आजीविका सुधार एवं एकीकृत विकास और Coffee Table Book on 75 Eco tourism Sites of Himachal Pradesh पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने चारों के सफल प्रकाशन के लिए वन विभाग के अधिकारियों और जाइका वानिकी परियोजना प्रबंधन को बधाई दी।

मुख्य परियोजना निदेशक ने किन्नौर में लिया फीडबैक







आरपी नेगी
मीडिया स्पेशलिस्ट

वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डा. संजय सूद ने 26 से 28 जून 2026 तक तीन दिवसीय किन्नौर दौरे के दौरान वन मंडल किन्नौर के अंतर्गत पाइपलाइन में चल रहे लंबित कार्यों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए।

डा. संजय सूद 26 जून को रिकांगपिओ पहुंचे, जहां पर वन मंडल किन्नौर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भव्य स्वागत भी किया। उन्होंने 28 जून को को कल्पा में आयोजित विभागीय और परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना और राजीव गांधी ग्रीन एडॉप्शन योजना पर बेहतरीन कार्य करने के निर्देश दिए।

डा. सूद ने कहा कि इस वर्श वन मंडल किन्नौर में अधिक से अधिक पौधे रोपकर हरित्र क्रांति की रफ्तार को तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्श 2030 तक राज्य के हरित आवरण को 32 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में वन विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वन मंडल किन्नौर में सभी अधिकारी एवं वन कर्मियों को मुस्तैद रहना पड़ेगा। वन बल प्रमुख डा. संजय सूद ने इस बीच जाइका वानिकी परियोजना के तहत किन्नौर में चल रही गतिविधियों का फीडबैक भी लिया।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना वन संरक्षण और आजीविका सुधार के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। डा. सूद ने परियोजना से जुड़े सभी स्टाफ को सक्रीय होकर सेवएं देने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी किन्नौर अरविंद कुमार, एसीएफ किन्नौर कर्ण कपूर, रिटायर एचपीएफएस सीएम शर्मा, एसएमएस किन्नौर राधिका नेगी, एफटीयू को–ऑर्डिनेटर्स समेत परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजीव गांधी ग्रीन एडॉप्शन योजनाः निजी संस्थाओं के साथ हुआ एमओयू





अरविंद कपूर
एसएमएस, कुल्लू

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य में पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्स्थापन, हरित आवरण में वृद्धि तथा पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ''राजीव गांधी ग्रीन एडॉप्शन योजना'' प्रारंभ की है। यह योजना कार्पोरेट संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, संगठनों तथा व्यक्तिगत नागरिकों को वन विभाग के साथ सहभागिता स्थापित कर वनीकरण एवं क्षतिग्रस्त वन क्षेत्रों के पुनर्स्थापन में योगदान देने का एक अभिनव अवसर प्रदान करती है।

इसके मद्देनजर हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने 22 जून 2026 को कुल्लू में दो निजी संस्थाओं रेड एप्पल और पैराडाइज चैट्यू के बीच एमओयू हस्ताक्षर किए। वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डा. संजय सूद और वन अरण्यपाल कुल्लू संदीप शर्मा की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

वन बल प्रमुख डा. संजय सूद ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत पात्र संस्थाएं वन विभाग द्वारा चिन्हित वन क्षेत्रों को गोद लेकर विभाग द्वारा निर्धारित तकनीकी दिशा–निर्देशों के अनुरूप पौधारोपण, पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन (ईको–रेस्टोरेशन) तथा उनके रख–रखाव का कार्य कर सकेंगी। इस पहल का उद्देश्य जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलता को सुदृढ़ करना, मृदा एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देना तथा स्थानीय समुदायों के लिए सतत आजीविका के अवसर सृजित करना है। उन्होंने कहा कि यह योजना पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ''कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के अंतर्गत निवेश को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ वैज्ञानिक योजना, नियमित निगरानी तथा पौधारोपण गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

योजना के अंतर्गत गोद लिए गए वन क्षेत्रों का स्वामित्व एवं प्रबंधन राज्य सरकार के पास ही रहेगा तथा सभी गतिविधियां वन विभाग की देखरेख एवं पर्यवेक्षण में संपादित की जाएंगी। डा. संजय सूद ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरणीय रूप से समृद्ध एवं हरित हिमाचल प्रदेश के निर्माण के अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह योजना जनसहभागिता और विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

इस अवसर पर डॉ. संजय सूद ने नेचर पार्क बबेली का दौरा किया और चिनार का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू

ने थपथपाई स्वयं सहायता समूहों की पीठ



आशुतोष पाठक
एसएमएस, वाइल्ड लाइफ स्पीति

15 अक्तूबर 2026 को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने काजा दौरे के दौरान जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की पीठ थपथपाई। बुधवार देर सायं लादरचा मैदान में आयोजित सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू जाइका वानिकी परियोजना द्वारा लगाए गए स्टाल पर पहुंचे, तो परियोजना से जुड़ी 6 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं काफी उत्साहित दिखी।

मुख्यमंत्री ने यहां बिक्री और प्रदर्शनी के लिए लगाए गए प्राकृतिक एवं रसायन मुक्त उत्पादों की सराहना की। खासकर विटामिन सी यानी छरमा के उत्पादों और हस्त निर्मित गलीचे तैयार करने वाली महिलाओं की मेहनत को देख सीएम सुक्खू ने उन्हें शाबाशी भी दी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज आत्मनिर्भता से आजीविका सुधार के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही हैं।

इस अवसर पर लाहौल–स्पीति की विधायक अनुराधा राणा, एसीएफ वाइल्ड लाइफ स्पीति चमन लाल ठाकुर, विशय वस्तु विशेशज्ञ जाइका वानिकी परियोजना वाइल्ड लाइफ स्पीति आशुतोश पाठक, एफटीयू को–ऑर्डिनेटर काजा मिनाक्षी बोद्ध समेत वन विभाग और वानिकी परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।





अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में हिम ट्रेडिशन प्रोडक्ट्स का डंका





आरपी नेगी
मीडिया स्पेशलिस्ट

21 से 27 अक्तूबर 2026 तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में इस बार जाइका के हिम ट्रेडिशन और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स का डंका बजा। यानी वानिकी परियोजना का अपना ब्रांड हिम ट्रेडिशन के उत्पादों ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।

बुधवार को दशहरा उत्सव के शुभारंभ अवसर पर जिलाधीश कुल्लू डॉ. अमित शर्मा ने जाइका वानिकी परियोजना द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी और बिक्री के स्टॉल का मुआयना किया। जाइका के इस स्टॉल में पारंपरिक एवं ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को देख डीसी कुल्लू ने खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के इस दौर में ऑर्गेनिक उत्पादों को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्टॉल में उपलब्ध सभी उत्पादों की तारीफ की और जाइका वानिकी परियोजना समेत विभिन्न सहायता समूहों को बधाई भी दी। बता दें कि 21 से 27 अक्तूबर तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में वन मंडल पार्वती के अंतर्गत आने वाले विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शनी के लिए उत्पाद लगाए हैं।

डीसीएफ पार्वती सार्थक पराशर ने कहा कि प्रदेश में आयोजित होने वाले उत्सवों के दौरान परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद बिक्री और प्रदर्शनी के लिए लगाए जाते हैं। इसी तर्ज पर कुल्लू दशहरे में भी रसायन मुक्त और पारंपरिक उत्पादों की बिक्री हो रही हैं। यहां पहाड़ी राजमाह, मक्की का आटा, शहद, घी, आचार, छरमा, सेपू– बड़ी, अखरोट और कोदरे का आटा बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

डीसीएफ पार्वती सार्थक पराशर ने बताया कि दशहरा उत्सव के लिए 30 स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद यहां हैं। वन मंडल वाइल्ड लाइफ कुल्लू , पार्वती और लाहौल के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद की खरीददारी के लिए उत्सव के पहले दिन लोगों की भीड़ उमड़ी रही।

किन्नौरी लिबास और छरमा के उत्पादों पर फिदा हुए स्थानीय लोग और सैलानी

जाइका वानिकी परियोजना पिछले सात वर्षों यानी वर्ष 2018 से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। राज्य के 22 वन मंडलों में कार्यांवित इस परियोजना के अंतर्गत 920 स्वयं सहायता समूह, 400 ग्राम वन विकास समितियों और 60 जैव विविधता उप समितियों के 10 हजार 6 लोग स्वरोजगार से जुड़े हैं।

जो आत्मनिर्भरता से आजीविका सुधार के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। यह हर्ष की बात है कि इस परियोजना में महिलाओं की भागिदारी पुरूषों की तुलना में कहीं अधिक हैं। यानी 94 प्रतिशत महिलाएं इस परियोजना से जुड़कर अपनी आर्थिकी में सुधार कर रही हैं। बता दें कि 920 स्वयं सहायता समूहों में 10 हजार 6 सदस्यों में से 9282 महिलाएं और 724 सदस्य पुरूष हैं।

इसके अलावा 22 वन मंडलों और 72 वन परिक्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को भी परियोजना में रोजगार के अवसर मिल चुके हैं, जो अपनी आजीविका कमा रहे हैं। कुल मिलाकर जाइका वानिकी परियोजना हिमाचल में वन तंत्र प्रबंधन, सामुदायिक विकास एवं आजीविका सुधार के लिए कार्य कर रही है।

परियोजना का मुख्य लक्ष्य हिमाचल प्रदेश में सतत् सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए वन क्षेत्रों द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में सुधार किया जा रहा है। गौरतलब है कि जाइका वित्त पोषित हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना के तहत राज्य में लोगों के माध्यम से परियोजना का कार्यान्वयन हो रहा है।

मशरूम की खेती, पत्तल का कारोबार, हथकरघा एवं बुनकर, सिलाई–कटाई और मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण, ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देना, ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण करने सहित कई गतिविधियां चल रही हैं।









मीडिया में जाइका वानिकी परियोजना...

मशोबरा में दिखी महिलाओं के हुनर और सामूहिक प्रयासों की झलक

शिमला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मशोबरा में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हुनर और सामूहिक प्रयासों की झलक प्रदर्शनी में देखने को मिली। शिमला वन वृत्त की ओर से जायका के सहयोग से हिमाचल प्रदेश फॉरेस्ट इकोसिस्टम मैनेजमेंट एंड लाइवलीहुड प्रोजेक्ट के तहत राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान मशोबरा में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की धर्मपत्नी प्रोफेसर डॉ. अमरीन कौर सिंह ने शिरकत की।



मशोबरा में महिलाओं को सम्मानित करतीं मंत्री विक्रमादित्य सिंह की धर्मपत्नी। संवाद

जुड़े करीब 170 स्वयं सहायता समूहों की 200 महिला सदस्यों ने भाग लिया। चीड़ की पत्तियों से बने हस्तशिल्प, केंचुआ खाद, खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद, कपड़े के परिधान और बुनाई के उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इसमें प्रत्येक वन प्रभाग से तीन स्वयं सहायता समूह को सम्मानित किया गया। शिमला वन प्रभाग में जय मां तारा स्वयं सहायता समूह को प्रथम, उमंग स्वयं सहायता समूह को द्वितीय और राधे कृष्ण स्वयं सहायता समूह को तृतीय स्थान मिला। ठियोग वन प्रभाग में जय मां चामुंडा स्वयं सहायता समूह प्रथम, जय मां चाल काली स्वयं सहायता समूह द्वितीय और जयंती मां स्वयं सहायता समूह तृतीय स्थान पर रही। संवाद

लंबित वन कार्य जल्द पूरे करें मानसून में पौधरोपण करें तेज

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-रिकांगपिओ

वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डाक्टर संजय सूद ने वन मंडल किन्नौर के अंतर्गत पाइपलाइन में चल रहे लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। तीन दिवसीय किन्नौर दौरे पर पहुंचे डाक्टर सूद ने कल्पा में आयोजित विभागीय एवं परियोजना समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। डाक्टर सूद ने कहा कि वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 32 प्रतिशत तक बढ़ाने के लक्ष्य को हासिल करने में वन विभाग की अहम भूमिका है। इसके लिए वन मंडल किन्नौर के सभी अधिकारियों और वन कर्मियों को पूरी मुस्तैदी से कार्य करना होगा। डाक्टर सूद ने जाइका वानिकी परियोजना के तहत किन्नौर में चल रही विभिन्न गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना वन संरक्षण और आजीविका सुधार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। बैठक में डीएफओ किन्नौर अरविंद कुमार, एसीएफ किन्नौर कर्ण कपूर, रिटायर एचपीएफएस सीएम शर्मा, एसएमएस किन्नौर राधिका नेगी आदि मौजूद रहे।



विधायक कमलेश ठाकुर ने महिला स्वयं सहायता समूहों से किया सीधा संवाद

जाइका से जुड़ी महिलाएं बन रही सशक्तिकरण की मिसाल

आत्मनिर्भरता से सशक्तिकरण

डार्केटा के दौरान विधायक कमलेश ठाकुर व अन्य। अनंत कुमार

बेहतर करने पर तीन महिला मंडलों को किया सम्मानित

जाइका परियोजना कुल्लू ने मनाया महिला दिवस

सात जिलों के उत्पादों की सजाई प्रदर्शनी

कुल्लू। जाइका परियोजना ने वन मंडल के कल्प हाउस में रविवार को महिला दिवस मनाया। इसमें वन अरण्यपाल कुल्लू संदीप शर्मा मुख्यातिथि उपस्थित रहे।

परियोजना ने वन मंडल कुल्लू में अच्छा कार्य एवं उत्पादों की बिक्री कर अपनी आय बढ़ाने के लिए तीन स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित किया। इनमें जय मां भागासिद्ध सम्मा को प्रथम, लक्ष्मी बड़ाग्रां को द्वितीय और नारायण बारहार को तृतीय पुरस्कार मिला।

वन अरण्यपाल कुल्लू संदीप शर्मा ने स्वयं सहायता समूहों को उत्पादों की बिक्री करके अपनी आय बढ़ाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। इस दौरान मुख्यालय डीएफओ शशि किरण, सहायक वन अरण्यपाल जगदीश नेगी, रेंजर मनोज ठाकुर, वन रक्षक तारा चंद, धरवीर, बलवीर कौर आदि उपस्थित रहे। संवाद

बहतरीन कार्य करने वाली महिलाओं को किया सम्मानित

आज समाज नेटवर्क

धर्मशाला। जाइका वानिकी परियोजना से जुड़ी महिलाएं आज सशक्तिकरण की मिसाल बन रही हैं। कांगड़ा जिले के देहरा के थचर भवन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर ने जाइका की पहलकदमी महिलाओं की पीठ थपथपाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमलेश ठाकुर ने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश की महिलाएं सशक्त बन चुकी हैं। वे पुरुषों का मुकाबला बखूबी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई हैं, जिसका लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर कमलेश ठाकुर ने परियोजना से जुड़ी दूरदराज क्षेत्रों की महिलाओं के साथ आत्मसात और यहां पहुंची महिलाओं से सीधा संवाद किया। इससे पूर्व, वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डा. संजय सूद ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वानिकी परियोजना से



जुड़कर आज प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आजीविका सुधार कर अपनी आर्थिकी को और अधिक मजबूत कर रही हैं।

नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजिकल टीचर्स एंड सिनर्जी चंडीगढ़ की प्रोफेसर एवं अकादमिक विशेषज्ञ सलाहकार डा. मिनाक्षी सूद ने भी यहां उपस्थित महिलाओं को संबोधित किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए स्टॉल भी लगाए और विधायक कमलेश ठाकुर ने खूब सराहना भी की। इस अवसर पर विधायक कमलेश ठाकुर ने वन मंडल देहरा, धर्मशाला, नूरपुर और पालमपुर के अंतर्गत बेहतरीन कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सम्मानित भी किया। जबकि 18 अन्य वन मंडलों के स्वयं सहायता समूहों को ऑनलाइन माध्यम से सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जाइका वानिकी परियोजना से सभी वन मंडल स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए, जिसकी अध्यक्षता संबंधित वन मंडलाधिकारियों ने की। इस अवसर पर सीएफ हरीदत्त निर्वाल, मंडोत्रा, सीएफ धर्मशाला वासु कौशल, परियोजना निदेशक क्षेत्र नंद शर्मा, वन मंडलाधिकारी देहरा सन्नी वर्मा, निदेशक वन विकास निगम धर्मशाला नीलम पाटिल, वन मंडलीय प्रबंधक वन निगम धर्मशाला अंसरीश शर्मा, एसीएफ कुल्लू वंदना ठाकुर समेत विभाग और परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

शिमला में कश्मीर का चिनार देगा छांव

राजधानी में इस बार नगर निगम रोपेगा 500 पौधे बढ़ेगी पहाड़ों की शान

- नगर निगम ने इस वरासत में तब्दीली से विभिन्न ज़ोन पर पौधे रोपने का रखा है लक्ष्य
- श्रीनगर से चिनार के पौधे मंगवाए, विभिन्न स्थानों पर लगाने की प्रक्रिया शुरू



शिमला के जिस मैदान पर धूप से बचने के लिए चिनार के पेड़ के नीचे डटे लोग। - जागरण

छाया के साथ वर्षों में भी शहर देता है चिनार का पेड़

चिनार का पेड़ बड़े आकार के कारण यह क्षेत्र खास प्रभाव डालता है। अगर तापमान संतुलित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते। नगर निगम प्रशासन ने पौधारोपण अभियान के तहत शहर के विभिन्न वर्डों, सड़कों के किनारे और अन्य उपयुक्त स्थानों का चयन किया है। अधिकारियों का मानना है कि पौधे लगाम के साथ-साथ उनकी देखभाल की भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम को उम्मीद है कि आने वाले समय में चिनार के ये पौधे विशाल की प्राकृतिक सुंदरता में नया रंग भरेंगे और पर्यटकों के लिए भी उत्साहजनक केंद्र बनेंगे। देहरादून की तर्ज पर शिमला की छवि विशाल की एक नई और अनोखी पहचान देने का प्रयास करेंगे।

निगम का मानना है कि आने वाली पीढ़ियां भी ये पौधे विकसित होकर शहर की हरियाली को नई पहचान देंगे। निगम की जिम्मेदारी है कि वर्षों तक इनकी सुरक्षा व देखभाल की जाए। यही कारण है कि कमजोर पौधों को सुरक्षा देने के लिए ट्री गार्ड लगाए जाएंगे। पौधों सुखाई और तापमान रोग से बचाने के लिए नियमित रूप से पानी दिया जाएगा। इसके लिए निगम की टीमें तैनात की जाएंगी। निगम का कहना है कि कमजोर पौधों को खुद भी ट्री गार्ड लगाने होंगे। यह पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वन बल प्रमुख डॉ. संजय सूद ने वन मंडल किन्नौर में कार्यों की समीक्षा की

रिकांगपिओ। वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डॉ. संजय सूद ने वन मंडल किन्नौर के अंतर्गत पाइपलाइन में चल रहे लंबित कार्यों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। बता दें कि डॉ. संजय सूद तीन दिवसीय किन्नौर दौरे पर हैं। रविवार को कल्पा में आयोजित विभागीय और परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना और राजीव गांधी ग्रीन एडॉप्शन योजना पर बेहतरीन कार्य करने के निर्देश दिए। डा. सूद ने कहा कि इस बार के मानसून सीजन में वन मंडल किन्नौर में अधिक से अधिक पौधे रोपकर हरित क्रांति की रफ्तार को तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक राज्य के हरित आवरण को 32 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में वन विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वन मंडल किन्नौर में सभी अधिकारी एवं वन कर्मियों को मुस्तैद रहना पड़ेगा। वन बल प्रमुख डॉ. संजय सूद ने इस बीच जाइका वानिकी परियोजना के तहत किन्नौर में चल रही गतिविधियों का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना वन संरक्षण और आजीविका सुधार के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। डॉ. सूद ने परियोजना से जुड़े निष्क्रीय स्टाफ के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के संकेत भी दिए। इस अवसर पर डीएफओ किन्नौर अरविंद कुमार, एसीएफ किन्नौर कर्ण कपूर, रिटायर एचपीएफएस सीएम शर्मा, एसएमएस किन्नौर राधिका नेगी, एफटीयू को-ऑर्डिनेटर्स समेत परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरित क्षेत्र में 32 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य : डॉ. संजय सूद

मुख्य न्यायाधीश गुरमीत संधावालिया ने राज्यव्यापी पौधरोपण अभियान का किया शुभारंभ

शिमला। भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आईआईएएस) शिमला में वन विभाग के राज्यव्यापी पौधरोपण अभियान का वीरवार को किया गया। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया ने परिसर में पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन बल प्रमुख) डॉ. संजय सूद ने बताया कि राजीव गांधी वन संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना और राजीव गांधी ग्रीन एडॉप्शन योजना के माध्यम से प्रदेश में हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत प्रदेश में 5,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित क्षेत्र में लगभग 32 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है।



भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में पौध रोपण करते अधिकारी। -संवाद

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया ने पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी दायित्व नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और हाल के वर्षों में प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करते हुए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अनियोजित शहरीकरण और पेड़ों की कटाई से हरित क्षेत्र प्रभावित हुआ है। संवाद

हिमाचल में जाइका कार्यों को अन्य राज्यों ने सराहे, सांझा किए अनुभव

धर्मशाला में 5 से 7 सितंबर 2026 तक आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में जुटे पांच राज्यों के एक्सपर्ट













विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें

मुख्य परियोजना निदेशक, जाइका वानिकी परियोजना

नजदीक मिल्कफैड निगम, टुटू शिमला-11 हिमाचल प्रदेश

दूरभाषः 0177.28372172837317/2838217

email: cpdjica2018hpfd@gmail.com https://jicahpforestryproject.com

अतिरिक्त परियोजना निदेशक अनुश्रवण एवं मूल्यांकन इकाई

जाइका वानिकी परियोजना, कुल्लू। दूरभाषः 01902-226636, ई0 मेलः pdjicakullu@gmail.com